महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्
Mahatma Gandhi National Council of Rural Education
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

द रुरल कनेक्ट

खंड 01 अंक 11
मई 2022

"हमें भारत के हर हिस्से में नवाचार की भावना को पोषित करने के लिए प्रत्येक भारतीय को शिक्षा और कौशल देना चाहिए" *-- श्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमिता केंद्रीय मंत्री ने गूगल और इंडियन एक्सप्रेस के संवाद मंच इंडिया एजुकेशन समिट 2022 में मुख्य भाषण देते हुए संबोधन किया।*

*मंत्री ने शिक्षा और कौशल को प्रत्येक भारतीय तक ले जाने, भारत को एक ज्ञान अर्थव्यवस्था में बदलने के तरीके और भारत के हर हिस्से में नवाचार की भावना पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि **अनुमानित 52.5 करोड़ आबादी 3-23 वर्ष की आयु वर्ग के अंतर्गत है, जिसमें से लगभग 35 करोड़ की शिक्षा और कौशल तक पहुँच है।** इस अंतर को पाटने पर उन्होंने कहा कि हमें शेष 17-18 करोड़ को स्कूली शिक्षा और कौशल के अंतर्गत में लाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि जी.ई.आर. को बढ़ाकर, स्किलिंग को आकांक्षी बनाकर और युवा भारतीयों की आर्थिक उत्पादकता को बढ़ाकर हम भारत को एक ज्ञान महाशक्ति बना सकते हैं।*

टियर 2 और 3 शहरों और ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्र नवाचार और उद्यमिता का रास्ता चुन रहे हैं। टियर- II और III शहरों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक प्रतिभाशाली युवाओं के बारे में बात करते हुए, शिक्षा मंत्री ने इन छात्रों को उच्चतर उड़ान भरने और नवाचार और उद्यमिता का रास्ता चुनने में मदद करने के लिए कौशल विकास की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

स्थानीय भाषाओं और मातृभाषा के महत्व के बारे में बोलते हुए, श्री प्रधान ने कहा कि महत्वपूर्ण सोच और कौशल विकास के लिए भी स्थानीय भाषाओं को सीखना महत्वपूर्ण है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रमुख क्षेत्रों में से एक है।

मंत्री ने जोर देकर कहा कि अगले 25 साल भारत की विकास यात्रा के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि एन.ई.पी. 2020 के अनुरूप, हम सभी को यह सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से काम करने की जरूरत है कि हमारे छात्र वैश्विक नागरिक बनें और भारत और दुनिया को एक सशक्त भविष्य की ओर ले जाएं।

***राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के विकास के लिए जनादेश दस्तावेज़ का विमोचन** - श्री धर्मेंद्र प्रधान ने **'जनादेश दस्तावेज़: राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे (एन.सी.एफ.) के विकास के लिए दिशानिर्देश' भारतीय विज्ञान संस्थान**, बेंगलुरु में आयोजित एक समारोह में इस अवसर पर संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 'तत्वज्ञान' है, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 'मार्ग' है और जारी किया गया जनादेश दस्तावेज 'संविधान' है जो 21वीं सदी की बदलती मांगों का समर्थन करता है और भविष्य को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। उन्होंने आगे कहा कि जनादेश दस्तावेज़ बच्चों के समग्र विकास, कौशल पर जोर, शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका, मातृभाषा में सीखने, सांस्कृतिक जड़ता पर ध्यान देने के साथ एक आदर्श बदलाव लाएगा। उन्होंने कहा कि यह भारतीय शिक्षा प्रणाली के उपनिवेशीकरण की दिशा में भी एक कदम है।*

(स्रोत: pib.gov.in)

ग्रामीण उद्यमिता, व्यावसायिक शिक्षा, ओ.डी.ओ.पी. और फोकस में अनुभवात्मक शिक्षा

40 वीं शासी निकाय और 30 वीं परिषद् की बैठक 6 अप्रैल को हाइब्रिड मोड (ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंस) के माध्यम से और भौतिक रूप से फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर, एम.जी.एन.सी.आर.ई. में डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई. की अध्यक्षता में औयोजित की गई थी। बैठक में डॉ. भरत पाठक, उपाध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई, , डॉ. सी. उमामहेश्वर राव, प्रो. डी. पी. सिंह, डॉ. निरुपमा देशपांडे, डॉ. आर. सी. अग्रवाल, डी.डी.जी., आई.सी.ए.आर., मो. रिज़वान आई.एफ.डी. एम.ओ.एफ., श्रीमती विजयलक्ष्मी महादेवन, अवर सचिव भारत सरकार एम.ओ.ई., और डॉ.ए. नागलक्ष्मी, सदस्य सचिव एम.जी.एन.सी.आर.ई.। वर्ष के गतिविधियों की समीक्षा की गई और आगामी वर्ष के लिए एजेंडा निर्धारित किया गया। ग्रामीण उद्यमिता, जल शक्ति, स्थिरता और कृषि विश्वविद्यालयों के साथ काम करने का विशेष उल्लेख किया गया।

जिला ग्रीन चैंपियन पुरस्कार 2021-22

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर और मध्य प्रदेश के उच्चतर शिक्षा मंत्री श्री मोहन यादव कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाली गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थे।

श्री नवीन मित्तल, *तकनीकी और कॉलेजिएट शिक्षा आयुक्त, तेलंगाना सरकार जिला ग्रीन चैंपियन पुरस्कार प्रदान करते हुए*

संपादक की टिप्पणी

एम.जी.एन.सी.आर.ई. कार्य और शिक्षा को जोड़ने वाले पथप्रदर्शक हस्तक्षेप कर रहा है, जिसने एम.जी.एन.सी.आर.ई. को अनुसंधान, प्रशिक्षण, सूचना और प्रलेखन की एक एकीकृत प्रणाली के माध्यम से उच्चतर शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अनुभवात्मक शिक्षा, कार्य शिक्षा और सामुदायिक व्यस्तता पर एक यूनेस्को चेयर अर्जित किया है। हमारा कार्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है। फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर एम.जी.एन.सी.आर.ई. भारत सरकार के लिए एक सलाहकार इंटरफ़ेस है, जिसमें पाठ्यक्रम और शैक्षणिक विकास, संकाय का अधिकार, क्षमता निर्माण और उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों के व्यावसायिकीकरण, व्यावसायिक शिक्षा, अनुभवात्मक शिक्षा, आजीविका के लिए कौशल विकास, ग्रामीण और सामाजिक उद्यमिता, सामुदायिक व्यस्तता, कार्य अनुसंधान परियोजनाएं और मनो-सामाजिक मार्गदर्शन (विशेष रूप से कोविड के पूर्व और बाद) पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

जिला ग्रीन चैंपियंस को पुरस्कृत करने के लिए नोडल एजेंसी के रूप में, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने पहले भारत भर में 400 उच्चतर शिक्षा संस्थानों को डिस्ट्रिक्ट ग्रीन चैंपियंस 2020-21 के रूप में सम्मानित किया है। भारत के 700+ जिलों को कवर करते हुए, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने वर्ष 2021-22 के लिए 400 और जिला ग्रीन चैंपियंस की घोषणा की। ये पुरस्कार संस्थागत परिसर में आयोजित कार्यशालाओं में दिए गए। पुरस्कार प्रशासनिक प्रमुख, जिला कलेक्टर, मजिस्ट्रेट और आयुक्त सहित प्रतिष्ठित हस्तियों द्वारा प्रदान किए गए। जिला ग्रीन चैंपियन पुरस्कार परिसर में स्थिरता प्रदान करने, ग्रामीण सामुदायिक व्यस्तता, ग्रामीण इंटर्नशिप और उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों में सामाजिक उद्यमिता को आकार देने के लिए दिए गए थे।
मैं केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर और मध्य प्रदेश के उच्चतर शिक्षा मंत्री श्री मोहन यादव को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने कार्यशालाओं में भाग लिया और पुरस्कार प्रदान किए।

40 वीं शासी निकाय और 30 वीं परिषद् की बैठक एफ.डी.सी. एम.जी.एन.सी.आर.ई. में हाइब्रिड मोड (भौतिक और ऑनलाइन) में आयोजित की गई थी। अनुमानित संख्या से कहीं अधिक हासिल किए गए लक्ष्यों की सराहना की गई और आगामी वर्ष के लिए एजेंडा तैयार किया गया।

2022-23 के लिए मंत्रालय के साथ एम.ओ.यू. किया गया था और एम.ओ.यू. के अनुसार एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने पहले ही कार्य शुरू कर दिया है। कार्य योजना ग्रामीण प्रबंधन कोर्स पाठ्यक्रम के मुद्दे को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय कार्यशालाओं पर केंद्रित है, एन.ई.पी. 2020 के अनुरूप व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय कार्यशालाएं, क्षमता निर्माण (कार्यशालाएं / संकाय विकास कार्यक्रम), प्रमुख और लघु कार्य अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन, महात्मा गांधी इंटर्नशिप को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण इंटर्नशिप, संकाय विकास कार्यक्रम (एफ.डी.पी.), पीएच.डी. फैलोशिप, पोस्ट डॉक्टरल फैलोशिप, बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन पर पाठ्यपुस्तकों और ऑडियो विजुअल संसाधन सामग्री के विकास के साथ-साथ पीयर रिव्यू जर्नल - इंडियन जर्नल ऑफ रूरल एजुकेशन एंड एंगेजमेंट।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. नए एजेंडे के लिए नए जोश और उत्साह के साथ हर समय रणनीतिक और संगठनात्मक लक्ष्यों की ओर अग्रसर है।

डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार
अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

मैं एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा बड़े पैमाने पर किए जा रहे कार्यों पर प्रसन्न हूं, जबकि हर समय अपने अनुमानों से कहीं अधिक प्रदर्शन कर रहा है। गवर्निंग बॉडी और काउंसिल मीटिंग में उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया, जो ग्रामीण चिंताओं के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. की प्रतिबद्धता को दोहराती है। जिला ग्रीन चैंपियन पुरस्कार पूरे देश में शासनादेश के अनुसार प्रदान किए जा रहे हैं, और यह उल्लेखनीय है कि कैसे एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने देश के सभी जिलों में उच्चतर शिक्षा संस्थानों को शामिल करते हुए अपनी स्वच्छता कार्य योजना को आगे बढ़ाया है। जैसे ही एम.ओ.यू. 2022-23 लागू होता है, मैं एम.जी.एन.सी.आर.ई. की उपलब्धियों के लिए तत्पर हूं और बेहतर परिणामों की कामना करता हूं।

डॉ. भरत पाठक
उपाध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

एम.जी.एन.सी.आर.ई. और एम.जी.सी.जी.वी. ने ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम विकास के लिए सहयोग किया

एम.जी.एन.सी.आर.ई. और महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय (एम.जी.सी.जी.वी.) अब संयुक्त भागीदारी और आपसी सहयोग से ग्रामीण प्रबंधन के विषय पर नीति नियोजन की दिशा में कार्य करेंगे। इस आशय का निर्णय डॉ. भरत पाठक, उपाध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई. और एम.जी.सी.जी.वी. के वाइस चांसलर, प्रो. भरत मिश्रा ने लिया। ग्रामीण प्रबंधन विभाग के प्रमुख डॉ. देवेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि परियोजना के माध्यम से **"ग्रामीण प्रबंधन अनुशासन के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना"** पाठ्यक्रम सामग्री ग्रामोदय विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों और पूर्व में अध्ययन कर चुके छात्रों के परामर्श से विकसित की जाएगी। ये प्रयास नैक मान्यता और विश्वविद्यालय मूल्यांकन प्रक्रियाओं के लिए सहायक होंगे।

राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद और ग्रामोदय विश्वविद्यालय परस्पर सहयोग से कार्य करेगा

नवभारत न्यूज

चित्रकूट, 13 अप्रैल. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद हैदराबाद और महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय अब संयुक्त सहभागिता और परस्पर सहयोग से ग्रामीण प्रबंधन विषय पर नीति नियोजन की दिशा में कार्य करेगा इस आशय का निर्णय आज महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष डॉ भरत पाठक और ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो भरत मिश्रा के मध्य हुए विचार विमर्श में लिया गया है।

ग्रामीण प्रबंधन के विभागाध्यक्ष डॉ देवेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद द्वारा अनुमोदित परियोजना स्ट्रेंथनिंग इकोसिस्टम रूरल मैनेजमेंट डिसिप्लिन के माध्यम से ग्रामोदय

विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों और पूर्व में अध्ययन कर चुके विद्यार्थियों से विचार विमर्श कर ग्रामीण विकास प्रबंधन पाठ्यक्रम के लिए कोर्स मैटेरियल निर्माण, छेत्रीय कार्य व अनुसंधान के लिए सर्वमान्य गतिविधियों को संचालित किया जाएगा और ग्रामीण प्रबंधन विषय पर नीति नियोजन हेतु कार्य सम्पन्न होंगे।डॉ पांडेय ने बताया कि इस बैठक में राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद को विश्वविद्यालय की ओर से परियोजनाओं को तैयार अनुमोदन हेतु भेजने का भी निर्णय लिया है। विचार विमर्श के दौरान विश्वास व्यक्त किया गया है कि राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के साथ मिलकर किये गए कार्य नैक आवेदन - मूल्यांकन और केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रयासों में भी सहयोगी बनेंगें।

तेलंगाना के सत्ताईस कॉलेजों ने जिला ग्रीन चैंपियंस 2021-2022 घोषित किया

श्री नवीन मित्तल, तकनीकी और कॉलेजिएट शिक्षा आयुक्त, तेलंगाना सरकार द्वारा पुरस्कार प्रस्तुत किए गए

सतत परिसर विकास और कुशल परिसर प्रबंधन में अनुकरणीय प्रदर्शन की मान्यता में, तेलंगाना के जिलों के 27 कॉलेजों को जिला ग्रीन चैंपियन 2021-2022 घोषित किया गया है। ये पुरस्कार शिक्षा मंत्रालय द्वारा अपनी नोडल एजेंसी, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (एम.जी.एन.सी.आर.ई.), उच्चतर शिक्षा विभाग के माध्यम से दिए जा रहे हैं। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने इससे पहले देश में 2020-2021 में 400 जिला ग्रीन चैंपियंस को सम्मानित किया था, जो सामुदायिक व्यस्तता, हरियाली, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन, स्वच्छता और स्वास्थ्य, और कोविड-19 जागरूकता और तैयारी में शामिल 22,000 से अधिक उच्चतर शिक्षा संस्थानों के साथ काम कर रहा था। जिला ग्रीन चैंपियंस को उनके संबंधित जिलों में जिला कलेक्टरों, आयुक्तों, मजिस्ट्रेटों और प्रशासनिक प्रमुखों द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। परिषद ने अब 400 डिस्ट्रिक्ट ग्रीन चैंपियंस 2021-2022 की घोषणा की है, जिससे कुल संख्या 800 हो गई है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने स्वच्छता पहल में उच्चतर शिक्षा संस्थानों को शामिल करने और इस तरह एक स्वच्छ और हरित भारत में योगदान करने के इस अनूठे प्रयास में देश के सभी जिलों में धमाका किया है।

तेलंगाना सरकार के तकनीकी और कॉलेजिएट शिक्षा आयुक्त श्री नवीन मित्तल 27 अप्रैल 2022 को हैदराबाद के कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय में 27 कॉलेजों के प्राचार्यों को जिला ग्रीन चैंपियन पुरस्कार 2021-2022 प्रदान करेंगे।
डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई., जो पूरे देश में सामुदायिक व्यस्तता, अनुभवात्मक शिक्षा, स्वच्छता, सामाजिक जिम्मेदारी, सलाह और सुविधा, ग्रामीण प्रबंधन, उद्यमिता और इंटर्नशिप की जोरदार वकालत कर रहे हैं, इसे तेलंगाना के कॉलेजों के लिए राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने के लिए एक समयोचित क्षण कहते हैं।

तेलंगाना 2021-2022 के जिला ग्रीन चैंपियंस में शामिल हैं - गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज (कला और वाणिज्य), आदिलाबाद; गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, पलोनचा, भद्राद्री कोठागुडेम; पिंगले गवर्नमेंट कॉलेज फॉर विमेन (ए), हनुमाकोंडा; इंदिरा प्रियदर्शिनी गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज फॉर विमेन, हैदराबाद; एस.के.एन.आर. गवर्नमेंट आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, जगतियाल; गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, जयशंकर भूपालपल्ली; एम.ए.एल.डी. गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, गडवाल जोगुलम्बा; गवर्नमेंट आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, कामारेड्डी; गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज फॉर विमेन, करीमनगर; जे.वी.आर. गवर्नमेंट कॉलेज, खम्मम; गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, महबूबाबाद; डॉ.बी.आर.आर. गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, महबूबनगर; गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, लक्सेटिपेट, मंचेरियल; गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, मेडक; गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, कुकटपल्ली, मेडचल-मलकजगिरी; सरकारी डिग्री कॉलेज, मुलुगु; गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, कलवाकुर्ती, नागरकुरनूल; नागार्जुन गवर्नमेंट कॉलेज, नलगोंडा; श्री चित्तेम नरसी रेड्डी मेमोरियल गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, नारायणपेट; गिरराज गवर्नमेंट कॉलेज (ए), निजामाबाद; गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, गोदावरीखानी, पेद्दापल्ली; गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, अग्रहारम, राजन्ना सिरसिला; गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, शादनगर, रंगारेड्डी; तारा गवर्नमेंट कॉलेज, संगारेड्डी; के.आर.आर. गवर्नमेंट आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, कोडद, सूर्यापेट; गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज (सह-एड), वनपर्थी; और गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज नरसंपेट, वरंगल।

***अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई.** ने कैंपस और सामुदायिक व्यस्तता में स्थिरता से संबंधित गतिविधियों को लेने पर एम.जी.एन.सी.आर.ई. की अंतर्दृष्टि और विचार साझा किए। स्वच्छता परिसर नियमावली को अपनाने के महत्व पर बल दिया गया। प्रो. (डॉ.) सुबीर भट्टाचार्य, कुलपति एन.बी.यू. सिलीगुड़ी डब्ल्यू.बी. ने स्थिरता विषय पर एक मुख्य भाषण दिया।*

जिलों के लिए जिला ग्रीन चैंपियंस को सम्मानित किया जा रहा है - दार्जिलिंग, उत्तर दिनाजपुर, दक्षिण दिनाजपुर, अलीपुरद्वार, कूच बिहार, कलिम्पोंग (पश्चिम बंगाल) और दक्षिण सिक्किम (सिक्किम)

डॉ. वरिंदर एस. कंवर, माननीय कुलपति, चितकारा विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश ने परियोजनाओं के माध्यम से प्रौद्योगिकी को स्थानांतरित करके गांवों की स्थिति में सुधार के लिए उच्चतर शिक्षण संस्थानों के महत्व पर प्रकाश डाला और मिट्टी को बचाने के लिए निवारक उपाय करने पर जोर दिया।

श्रीमती इंदु मल्होत्रा आई.ए.एस., सचिव, राज्य चुनाव आयोग, पंजाब और इसके अलावा पंजाब वित्तीय निगम के प्रबंध निदेशक, लोकपाल के सचिव के साथ-साथ एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अधिकारी और पंजाब और चंडीगढ़ के जिला ग्रीन चैंपियन संस्थानों के प्रतिनिधि।

शिक्षा मंत्रालय के माध्यम से उच्चतर शिक्षा संस्थानों में राष्ट्र के लिए सतत गतिविधियों पर आधारित सेवा स्थापित की गई है जो प्रिंट में आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए प्रासंगिक है। - प्रो. बी.एस. संधू, पंजाब के जिला ग्रीन अवार्डी संस्थान के प्रतिनिधि।

ब्रह्मानंद पी.जी. कॉलेज कानपुर उत्तर प्रदेश

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने 11 कर्नाटक जिलों को स्वच्छता में स्थिरता हासिल करने के लिए कैंपस और समुदाय में उनके अथक काम के लिए सम्मानित किया। आई.डी.एस.जी. गवर्नमेंट कॉलेज चिक्कमगलूर (होस्ट) के प्राचार्य डॉ. राजना ने पुरस्कार समारोह की अध्यक्षता की। पुरस्कार विजेता डिस्ट्रिक्ट ग्रीन चैंपियंस शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में कैंपस और समुदाय को हरा-भरा, स्वच्छ रखने के लिए अपने काम के लिए इस राष्ट्रीय मान्यता को जीतने पर गर्व महसूस कर रहे हैं। स्वच्छता के लिए महत्वपूर्ण मापदंडों में स्वच्छता और हरियाली के साथ-साथ जल, ऊर्जा और अपशिष्ट प्रबंधन शामिल हैं। इस पुरस्कार से संबंधित जिलों के अन्य कॉलेजों को परिसर और समुदाय में स्वच्छता गतिविधियों को करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

हावेरी

हसन

चित्रदुर्ग

यादगिर

तुमकुर

चिक्कमगलुरु

केरल के मलप्पुरम और त्रिशूर जिलों के जिला ग्रीन चैंपियन अवार्डी संस्थानों को प्रमाण पत्र वितरित करते एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अकादमिक सलाहकार

श्री मोहन यादव, उच्चतर शिक्षा मंत्री, मध्यप्रदेश शासन द्वारा पढ़ा जा रहा ग्रामीण तल्लीनता नियमावली

श्री दीपक सिंह आई.ए.एस., उच्चतर शिक्षा आयुक्त, मध्य प्रदेश और प्रो. कपिल देव मिश्रा, माननीय कुलपति, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश को सौंपी जा रही ग्रामीण तल्लीनता पुस्तिका

प्रो. आलोक शर्मा जी, निदेशक भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान (आई.आई.टी.टी.एम.), ग्वालियर, मध्य प्रदेश और प्रो. अखिलेश कुमार पांडे, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, मध्य प्रदेश के माननीय कुलपति के साथ।

जिला ग्रीन चैंपियंस के प्रतिनिधियों के साथ एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अधिकारी

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश के माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्रा द्वारा जिला ग्रीन चैंपियन पुरस्कार के साथ एच.ई.आई. को सम्मानित करते हुए

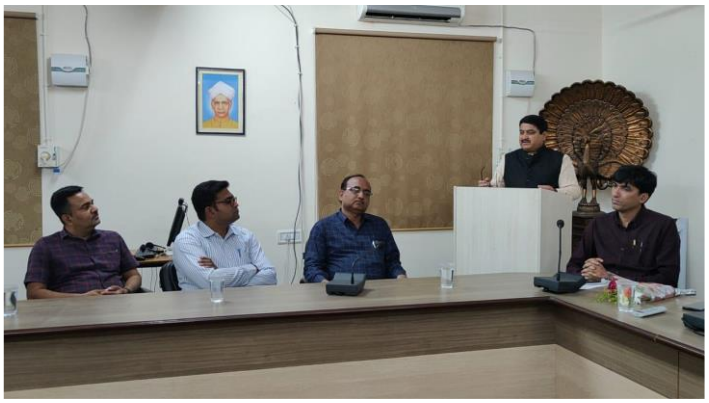

प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, कुलपति, जनार्दन राय नगर राजस्थान विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय)

प्रो. आलोक शर्मा, निदेशक भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (आई.आई.टी.टी.एम.)

मोहन यादव, माननीय 'उच्चतर शिक्षा मंत्री, मध्य प्रदेश के अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. के साथ प्रतिभागियों द्वारा साझा किए गए सामुदायिक व्यस्तता के अनुभवों को सुन रहे हैं

चेन्नई, कोयंबटूर, कांचीपुरम, तिरुवल्लूर, तिरुपत्तूर और चेंगलपट्टू के जिला ग्रीन चैंपियन संस्थान के प्रतिनिधियों के साथ स्थिरता, सलाह और सामुदायिक व्यस्तता हासिल करने पर चर्चा

मनोनमनियम सुंदरनार विश्वविद्यालय, तमिलनाडु के माननीय कुलपति प्रोफेसर के पिचुमनी को "कॉलेज - गांव - पूर्व छात्र त्रय" की अवधारणा को समझाते हुए एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अकादमिक सलाहकार

तमिलनाडु के वेल्लोर और कृष्णागिरी जिलों के जिला ग्रीन चैंपियंस का अभिनंदन

जिला ग्रीन चैंपियन संस्थान- सलेम, नीलगिरी, इरोड, नमक्कल, कोयंबटूर, रानीपेट, तिरुप्पुर, धर्मपुरी, डिंडीगुल एक फोकस समूह में छात्रों के स्वयं सहायता समूह के गठन

तिरुनेलवेली तेनकासी, थूथुकुडी, विरुधुनगर और कन्याकुमारी से जिला ग्रीन चैंपियन संस्थानों के साथ गांव को जोड़ने के लिए स्थिरता और आगे के रास्ते पर चर्चा

तमिलनाडु के थेनी, मदुरै, शिवगंगा, रामनाथपुरम जिलों के जिला ग्रीन चैंपियन संस्थानों के प्रतिनिधि

तिरुवन्नामलाई, पुडुचेरी, कराईकल, नागपट्टिनम, मयिलादुथुराई, कल्लाकुरिची, कुड्डालोर के जिला ग्रीन चैंपियन

प्रो. हरे राम त्रिपाठी, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अधिकारियों के साथ

"सामाजिक उत्तरदायित्व किसी भी संस्था का मौलिक कर्तव्य है, क्योंकि संस्था केवल स्वयं के लिए नहीं समुदाय के उत्थान के लिए है" उत्तर प्रदेश के एक जिला ग्रीन चैंपियन पुरस्कार विजेता संस्थान के प्रतिनिधि डॉ.अवधेश नारायण शुक्ला ने कहा।

डॉ. अभय एम. शंकरगौड़ा, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रो-वाइस चांसलर संस्थागत सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक व्यस्तता के माध्यम से स्थिरता प्राप्त करने पर प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए

सुभारती विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.राकेश मेहरा ने एच.ई.आई. के माध्यम से सतत सामुदायिक व्यस्तता पर अपने विचार साझा किए

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से जिला ग्रीन चैंपियन पुरस्कार विजेता संस्था को सम्मानित करते एम.जी.एन.सी.आर.ई. अधिकारी

ग्रामीण प्रबंधन

श्री अंशुल सिंह, संयुक्त मजिस्ट्रेट और डॉ. महावीर अग्रवाल, पतंजलि विश्वविद्यालय के प्रो. वाइस चांसलर, एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अधिकारियों और उत्तराखंड के जिला ग्रीन चैंपियन संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ।

पश्चिम बंगाल और सिक्किम के जिला ग्रीन चैंपियंस के साथ अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई.

भारत में राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में उच्चतर शिक्षा संस्थानों और उनके गोद लिए गए गांवों के लिए स्वच्छता कार्य योजना के तहत पर्यावरण स्थिरता और हरित लेखा परीक्षा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है और एम.जी.एन.सी.आर.ई. ऐक नोडल एजेंसी है जिसे इस परियोजना को लागू करने और निगरानी करने का कार्य सौंपा गया है। सस्टेनेबिलिटी प्रैक्टिस पांच महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करती है जिसमें स्वच्छता और स्वास्थ्य, जल प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन, हरियाली और ऊर्जा सरक्षण शामिल हैं। संस्थागत स्थिरता को बढ़ावा देने में मास्टर प्रशिक्षकों और जिला स्थिरता सलाहकारों के अनुभवों को समझने और साझा करने के लिए 26 और 27 मार्च 2022 को एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा एक प्रारंभिक राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन आर्योजित किया गया था।

सुविधाओं और विशेषज्ञता को साझा करके ग्रामीण प्रबंधन में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आपसी संबंधों की खोज, विस्तार और मजबूत करने के लिए 2 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए -

1. गवर्नमेंट कॉलेज, बेट्टमपडी, कर्नाटक
2. आदिचुंचनागिरी प्रौद्योगिकी संस्थान, चिक्कमगलुरु, कर्नाटक

पूरे भारत में आर एम संस्थागत कार्यशालाएं आयोजित किए गए

आदिचुंचनगिरी प्रौद्योगिकी संस्थान, चिक्कमगलुरु, कर्नाटक 8 अप्रैल 2022

जिला आयुक्त, पुलिस अधीक्षक और प्राचार्य की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन में प्रवेश

प्रबंधन संकाय के साथ ग्रामीण तल्लीनता पुस्तक का विमोचन

राउंड टेबल बैठकों के साथ इंटर्नशिप, शिक्षुता को बढ़ावा देने के लिए ऑफलाइन कार्यक्रम सहकार महर्षि शंकर राव मोहिते के कर्मचारियों के साथ समूह फोटो - पाटिल प्रौद्योगिकी और अनुसंधान संस्थान, अकलुज, शंकरनगर, सोलापुर जिला

संस्थान के उभरते उद्यमियों को प्रेरित करना

सहकार महर्षि शंकरराव मोहिते पाटिल इंजीनियरिंग कॉलेज शंकरनगर अकलुज महाराष्ट्र संस्था के प्रति योगदान के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. की सुविधा प्रदान करता है

आने वाले महीनों में उद्योग एकेडेमिया मीट के लिए आयोजित राउंड टेबल बैठक

1. *जे.पी. इंस्टीट्यूट ऑफ हयूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज, नोएडा, यू.पी. (13 अप्रैल 2022)*
2. *सहकार महर्षि शंकरराव मोहिते पाटिल इंजीनियरिंग कॉलेज शंकरनगर अकलुज, महाराष्ट्र (21 अप्रैल 2022)*
3. *आदिचुंचनागिरी प्रौद्योगिकी संस्थान, चिक्कमगलुरु, कर्नाटक (8 अप्रैल 2022)*
4. *कोटा विश्वविद्यालय, यू.पी. (26 अप्रैल 2022)*

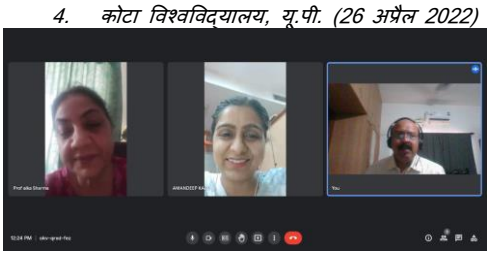

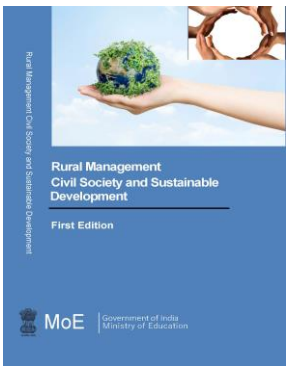

सिविल सोसायटी और सतत विकास पर बी.बी.ए. आर.एम. पाठ्य पुस्तक *प्रकाशित.....*

सिविल सोसाइटी विकास और मानवीय स्थितियों में सेवाओं के प्रदाता के रूप में भूमिकाओं को पूरा करती है, संवाद और वकालत के माध्यम से नीति विकास में योगदान करती है।

विश्व पृथ्वी दिवस 2022, के अवसर पर देश भर के उच्चतर शिक्षा संस्थानों ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. के आदेश पर गतिविधियों का आयोजन किया। ***एक ऑनलाइन बातचीत में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और बढ़ते प्रदूषण, वनों की कटाई और ग्लोबल वार्मिंग के परिदृश्य में हमारे स्वास्थ्य, आजीविका की रक्षा के लिए विजया इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज फॉर विमेन, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश के छात्र।*** पर्यावरणीय मुद्दों की चिंताओं को स्थिरता का महत्वपूर्ण चालक माना जाता है। प्रत्येक व्यक्ति को पांच प्राकृतिक तत्वों को प्रदूषित होने से बचाने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए और आने वाली पीढ़ियों के लिए उनकी रक्षा करनी चाहिए। विद्यार्थियों ने परिसर में आयोजित पौधरोपण अभियान में भी भाग लिया। इस कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. के. पद्मलता सहित संकाय और छात्र शामिल हुए।

అభివృద్ధి పేరుతో పంచభూతాలు కలుషితం

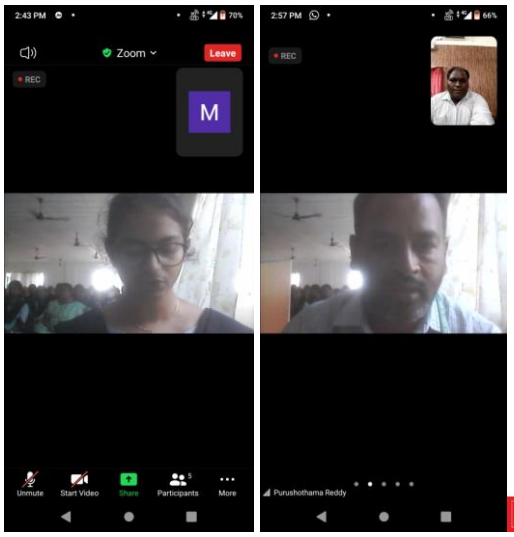

విజయవాడ రూరల్, ఏప్రిల్ 22 (ప్రభ న్యూస్) : ప్రపంచంలో మానవులు అభివృద్ధి పేరుతో స్వార్థంతో పంచ భూతాలైన గాలి, భూమి, నీరు, అగ్ని, అకాశం వాంటి వాటిని సైతం కలుషితం చేస్తున్నరని తద్వారా సకాల జీవరాశుల మనుగడ కష్టం అవుతుందని అకాడమిక్ కన్సల్‌టెంట్ జె. సాయి సుధీర్ పెర్కొన్నారు. మండల పరిధిలోని ఎనికేపాడు గ్రామంలో గల విజయ మహిళా ఫార్మశీ కళాశాలలో శుక్రవారం ప్రపంచ ధరిత్రి దినోత్సవం జరిగింది. ఈ కార్యక్రమానికి ముఖ్యఅతిధిగా అకాడమిక్ కన్సల్‌టెంట్ జె. సాయి సుధీర్ ముఖ్యఅతిధిగా పాల్గొన్నారు. ఈ సందర్భంగా ఆయన మాట్లాడుతూ మానవుడు సృష్టస్తున్న కాలుష్యానికి తానే బలవుతున్న పరిస్థితి వచ్చిందని, ఇది ఒక మహమ్మరి లాంటిదని తద్వారా భావితరాల మనుగడ కష్టమవుతుందని తెలిపారు. ఇండియన్ రెడ్ క్రాస్ సోసైటి ఆధ్వర్యంలో కలబుూశాల ప్రాంగణంలో మొక్కలను నాటారు. భూమి అంటే నేల కాదని ఇది కోని లక్షల వేల జీవరాశుల సముదాయమని, పంచ భూతాలలో ఏ ఒక్కటి లోపించని జీవనం అస్తవ్యస్తమవుతుందని ఇది సమాజంలో ఉన్న ప్రతి మనవుడి భాద్యత అని వాటిని పరిరక్షించాల్సిన బాధ్యత అని అన్నారు. ఈ కార్యక్రమంలో మహత్మగాంధీ నేషనల్ కౌన్సిల్ ఆప్ రూరల్ ఏడ్యుకేషన్ పర్సువల్‌గా కూనశివయ్య, జీ. జీవన్‌ప్రకాష్, రమేష్, ప్రిన్సిపాల్ డాక్టర్ పద్మలత, ఎన్ఎస్ఎస్, వి.పి.ఏ విద్యార్థులు, ఎన్ఎస్ఎస్ ప్రోగ్రమ్ అధికారి అధ్యపక బృందం పాల్గొన్నారు.

మొక్కలు నాటిన విద్యార్థినులు

విజయవాడ ఆంధ్రప్రభ Sat, 23 April 2022 https://epaper.prabhanews.com/c/67618935

2022-23 के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. का एजेंडा

I. पाठ्यक्रम डिजाइन, विकास और लेनदेन

1. विश्वविद्यालय के साथ संपर्क स्थापित करना, तालमेल बनाना और नेटवर्किंग संबंध बनाना
2. कोर ग्रुप मीटिंग आयोजित करना
3. संसाधन सामग्री के साथ लेन-देन योग्य मॉड्यूल की तैयारी
4. ग्रामीण समुदाय व्यस्तता, नई तालीम और ग्रामीण प्रबंधन में पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए संकाय सदस्यों के लिए परामर्श कार्यक्रम।

II. संकाय विकास कार्यक्रम जो नई तालीम, ग्रामीण तल्लीनता और ग्रामीण प्रबंधन में शिक्षण पाठ्यक्रमों में शामिल संकाय सदस्यों के लिए छह दिवसीय कार्यक्रम हैं, जिसमें दो दिवसीय कार्यशाला, दो दिवसीय कक्षा अभ्यास प्रशिक्षण और दो दिवसीय फील्ड एक्सपोजर शामिल हैं। इनका उद्देश्य व्यावसायिक शिक्षा, ग्रामीण सामुदायिक व्यस्तता और ग्रामीण प्रबंधन में पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए ज्ञान और कौशल प्रदान करना है। इसके अलावा, संकाय सदस्यों को विशिष्ट समूह बनाकर शिक्षक शिक्षा, प्रबंधन, संचार और सामाजिक कार्य के क्षेत्रों में विशेष स्ट्रीम-आधारित प्रशिक्षण दिए जाने की आवश्यकता है।

III. कार्य अनुसंधान: ग्रामीण प्रबंधन, ग्रामीण व्यस्तता और नई तालीम, सामुदायिक व्यस्तता और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, शिक्षक शिक्षा, अनुभवात्मक शिक्षा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी तंत्र, समाज के कमजोर वर्गों, आजीविका और संबंधित समस्याओं, प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं, और शमन के उपायों पर **कार्य** अनुसंधान, पंचायती राज प्रणाली, सामाजिक पूंजी और समुदाय आधारित और संपत्ति आधारित सामुदायिक विकास सहित ग्रामीण और स्थानीय संस्थान। सरकार द्वारा विकास हस्तक्षेप
क्षेत्र आधारित अनुसंधान पद्धति, भागीदारी अनुसंधान पद्धति, पी.आर.ए. (उपकरणों की प्रासंगिक टोकरी, तकनीक और सहभागी डेटा संग्रह के तरीके)।

IV. यूनेस्को चेयर गतिविधियों के हिस्से के रूप में देश भर के विश्वविद्यालयों/एच.ई.आई. में शिक्षा/ग्रामीण प्रबंधन में स्नातकोत्तर करने वाले छात्रों के लिए पांच महीने के महात्मा गांधी इंटर्नशिप कार्यक्रम को बढ़ावा देना, मार्गदर्शन करना और क्षेत्र का दौरा करना। इसमें एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्री और पोस्ट इंटर्नशिप इंटरेक्शन कंपोनेंट होगा।

V. बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन पर पाठ्यपुस्तकों और दृश्य-श्रव्य संसाधन सामग्री का विकास

वार्षिक कार्य योजना

ग्रामीण उच्चतर शिक्षा को बढ़ावा देना

1. **पाठ्यचर्या विकास (पाठ्यक्रम/ऑनलाइन संसाधन)**
   i. ग्रामीण प्रबंधन कोर्स पाठ्यक्रम (5) को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय कार्यशालाएं और एन.ई.पी. 2020 के अनुरूप व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम (5) को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय कार्यशालाएं
2. **क्षमता निर्माण (कार्यशालाएं/संकाय विकास कार्यक्रम)**
   i. प्रमुख कार्य अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन (49)
   ii. लघु कार्य अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन (50)
   iii. ग्रामीण इंटर्नशिप को बढ़ावा देने के लिए 50 महात्मा गांधी इंटर्नशिप
3. **अनुसंधान और प्रमुख कार्यक्रम**
   i. 50 संकाय विकास कार्यक्रम (एफ.डी.पी.)
   ii. 14 पीएच.डी. फैलोशिप
   iii. 5 पोस्ट डॉक्टरल फैलोशिप
   iv. बी.बी.ए. आर.एम. पर पाठ्यपुस्तकों (10) और दृश्य-श्रव्य संसाधन सामग्री (400) का विकास
4. **प्रकाशन**
   i. 24 समाचार पत्र - कनेक्ट (अंग्रेजी और हिन्दी)
   ii. पीयर रिव्यूड जर्नल के 2 अंक - इंडियन जर्नल ऑफ रूरल एजुकेशन एंड एंगेजमेंट

निरंतर वृद्धि और प्रगति के बिना, सुधार, उपलब्धि और सफलता जैसे शब्दों का कोई अर्थ नहीं है।

बेंजामिन फ्रैंकलिन

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्

उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

सत्यमेव जयते

Where there is Rural Wellbeing there is Universal Prosperity

5-1-174, शक्कर भवन, फतेह मैदान रोड, बशीरबाघ, हैदराबाद, तेलंगाना - 500004

दूरभाष: 040-23212120, फैक्स: 040-23212114, ई-मेल: admin@mgncre.in, वेबसाइट: www.mgncre.org

संपादक: डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई., डॉ.डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया.वी, संपादक

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद् (एम.जी.एन.सी.आर.ई.) की ओर से डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रकाशित और मुद्रित

RNI NO: TELENG/2021/81111